Besides CIL and the subsidary companies have about 35,000 female employees who are underutilised due to restrictions imposed by Mines Act and the Rules and Regulations framed thereunder.

स्वीकृत कोयला परियोजनाओं की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन

35. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्वीकृत कोयला परियोजनाओं (1985–90) की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन किया गया है;

(ख) ऐसी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और ये परियोजनाएं अपने निर्धारित समय से कितना पिछड़ रही हैं; और

(ग) इन परियोजनाओं की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन करने के क्या कारण हैं?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) भूमिगत कोयला खनन की सामान्य प्रकृति को देखते हुए, खान योजना में प्रस्तावित प्रौद्योगिकी की सफलता मुख्यत: भू-मगत क्रियाकलापों को वास्तविक रूप में विकसित करने के दौरान उपस्थित भू-खनन परिस्थितियों पर निर्भर करती है। खनन योजना तथा प्रौद्योगिकी में मध्य मार्ग में परिवर्तन करना कई बार आवश्यक हो जाता है, जबकि भूमिगत खानों में कार्य करते समय, वास्तविक भू-खनन परिस्थितियां/आई कठिनाइयां खान संबधी योजना तयार करते समय की स्थितियों से अलग पाई जाती हैं। वर्ष 1985–90 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित भूमिगत परियोजनाओं की विपरीत भू-खनन परिस्थिति के कारण खनन प्रौद्योगिकी में मुख्य परिवर्तन किया जाना आवश्यक हो गया :–

परियोजना	वास्तविक प्रौद्योगिकी	संशोधित प्रौद्योगिकी	परियोजना पूरी होन के मूल कार्यक्रम से विलंब
1. रविन्द्र खानी–1ए (सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि०)	लांगवाल	बोर्ड और पिल्लर	परियोजना वर्ष 1991–92 में दो वर्षों की देरी से पूरी हुई।
2. अमृत नगर (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०)	लांगवाल	बोर्ड और पिल्लर	3 वर्ष (प्रत्याशित)
3. कालीदासपुर (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०)	साथ-साथ विकास तथा केविंग सहित डीपिलिरंग	यांत्रिकृत बोर्ड एवं पिल्लर	5 वर्ष (प्रत्याशित)
4. जे० के० नगर (ईस्टर्न कोलफील्डस लि०)	लांगवाल	यांत्रिकृत बोर्ड एवं पिल्लर	1 वर्ष (प्रत्याशित)
5. चुरचा वेस्ट (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०)	लांगवाल	यांत्रिकृत बोर्ड एवं पिल्लर	4 वर्ष (प्रत्याशित)